Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APMA–305

M.A. (Previous) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - I

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सू किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां किणी सू किणी **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

नोट :– नीचै लिख्योड़ा सगळां सवालां रा पड़ूत्तर देवो। (सबद सीमा **50** सबद)।

1. (i) ईसरदास बारठ रै मा–बाप रो नांव लिखो।

(ii) ईसरदास बारह किण राजा रा आश्रित कवि हा ?

(iii) सांगा गौड़ अर ईसरदास बारठ रो कांई सम्बंध हो ?

(iv) 'रणमल्ल छंद' रो लेखक अर सम्पादक कुण है ? नांव लिखो।

(v) 'राठौड़ राव रणमल्ल' री तुलना किण सूं करी है ?

(vi) 'वेली क्रिसण रुकमणी' री रचना किण ठौड़ हुयी ही ?

(vii) 'रुकमणी' रो ब्यांव किण रै सागै तय हुयो हो ?

(viii) 'मारवणी' पांख्यां किण सूं मांगै अर क्यू मांगै ?

(ix) 'मारवणी' किण प्रदेस री राजकुमारी ही, उण रै मा–बाप रो नांव बताओ ?

(x) 'ढोला' नै मारग मांय कुण मारणो चावै हो अर क्यों ?

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्योड़ा सात सवालां मांय सूं किणी **पाँच** सवालां रा पाड़ूत्तर दिरावो। (सबद सीमा **200** सबद)।

2. ''सेल घमोड़ा किम सह्या, किम सहिया गज दंत।

कठिन पयोहर लागतां कसमसतौ तू कंत॥

कंत सूं ओळंबो दियौ इम कामणी।

अैण घट आज रा केम सहिया अणी॥

ईखता आप नारँग फळ आकरा।

सह्या किम कंत अ घाव घट सेल रा॥''

3. ''कति कारयन्ति भूपा,

भुवि यूपान् केऽपि वापिकाः कूपान्।

एको ननु पुनरास्ते,

रणमल्लो घोरी कारयिता॥''

4. ''पहिलउँ मुखि राग प्रकट थिउ, प्राची।

अरुण कि-अरुणोदय अंबर,

पेखे किरि जागिया पयोहर,

संझा-वंदन रिखेसर॥''

5. प्रीतम, तोरइ कारणाइ, ताता भात न खाहि।

हियड़ा भीतर प्रिय बसइ, दाझणती डरपाहि॥

हूं बळिहारी सज्जणां, सज्जण मो बळिहार।

हूं सज्जण पग पानही, सज्जण मो गळहार॥

6. ''कुंझाँ, द्यउ नइ पंखड़ी, थाकउ विनउ वहेसि,

सायर लंघी प्री मिलउँ, प्री मिलि पाछी देसि॥

माणस हूवां त मुख चवां, म्हे छाँ कुंझडियाँह।

प्रिउ संदेसउ पाठविसु, लिखि दे पखड़ियाँह॥''

7. 'हालाँ-हालाँ' कुण हा, आं रो आपस मांय जुधक्यो हुयो ? आपरै सबदां मांय लिखो।

8. 'रणमल्ल छंद' रो कथानक (कथासार) आपरा सबदां मांय लिखो।

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्योड़ा चार सवालां मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद सीमा **500** सबद)।

9. भाव पख अर कला पख रै आधार माथै ''हालाँ-झालाँ रा कुण्डलियां'' री समीक्षा करो।

10. 'रणमल्ल छंद' अेक वीर रसात्मक चरित काव्य है। इण कथन री विरोळ करो।

11. 'क्रिसन रुकमणी री वेलि' री भाव पख-अर कला पख रै आधार पर समीक्षा करो।

12. 'ढोला मारू रा दूहा' अेक विरह वेदना प्रधान काव्य है। इण बात री पुखता जाणकारी देवता थकां मारवणी री 'विरह वेदना' नै उदाहरण समेत उकेरो।